आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 07.12.2024 **समय : 1905**

- **सुशासन सप्ताह के अंर्तगत उन्नीस दिसंबर से राष्ट्रव्यापी अभियान 'प्रशासन गांव की ओर' शुरू किया जाएगा।**
- **अंडमान निकोबार द्वीपसमूह को सातवीं बार अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम प्रगति डैशबोर्ड में पहला स्थान हासिल हुआ है।**
- **अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड की ओर से मध्योत्तर अंडमान में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया।**
- **जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय की एन एस एस इकाई के सहयोग से रेड रिबन क्लब द्वारा एचआईवी एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए रैली का आयोजन किया गया।**
- **समाज कल्याण विभाग की ओर से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लैंगिक समानता और कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।**

<><><><><><><>

सुशासन सप्ताह के अंर्तगत उन्नीस दिसंबर से राष्ट्रव्यापी अभियान 'प्रशासन गांव की ओर' शुरू किया जाएगा। यह कार्यक्रम चौबीस दिसंबर तक चलेगा, जिसमें देशभर के प्रत्येक जिलों में कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस अभियान में सात सौ से अधिक जिला अधिकारी भाग लेंगे और अधिकारी तहसीलों तथा पंचायत समिति मुख्यालयों का दौरा करेंगे। यह तीसरी बार है, जब सरकार जनता की शिकायतों को दूर करने और सेवा प्रदान करने में सुधार के लिए तहसील स्तर पर एक राष्ट्रीय अभियान चला रही है। प्रशासन गांव की ओर अभियान सुशासन के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन होगा, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह को सातवीं बार अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम प्रगति डैशबोर्ड में पहला स्थान हासिल हुआ है। यह इस साल सातवीं बार है जब द्वीपसमूह ने यह गौरव हासिल किया है, जो पुलिसिंग में डिजिटलीकरण को बढ़ाने में इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस प्रणाली को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा संचालित किया जाता है। प्रगति डैशबोर्ड गृह मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जिसकी निगरानी प्रधानमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जाती है। यह राष्ट्रीय मंच अपराध डेटा के प्रबंधन में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है, अपराध की रोकथाम और पता लगाने में उनकी दक्षता, प्रतिबद्धता और प्रगतिशील कदमों का अवलोकन करता है। अंडमान निकोबार पुलिस की सफलता उनके समर्पण और नवाचार का प्रमाण है। प्रगति डैशबोर्ड पर द्वीपसमूह का लगातार शीर्ष प्रदर्शन कानून प्रवर्तन के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने में अंडमान निकोबार पुलिस की अनुकरणीय भूमिका को दर्शाता है।

<><><><><><><>

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर हाल ही में अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड की ओर से मध्योत्तर अंडमान में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रमन बागीचा, आमकुंज और रंगत में आयोजित इस कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इस कार्यक्रम में सहकारी बैंक के अध्यक्ष कुलदीप राय शर्मा और बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों, हितधारकों और दिव्यांगता क्षेत्र के प्रतिनिधियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति को संबोधित करते हुए कुलदीप राय शर्मा ने कहा कि इस तरह के पहल से एक समावेशी समाज के निर्माण में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक दिव्यांगजन के लिए समान अवसर, पहुंच और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना है। बैंक दिव्यांगजनों के अधिकारों और सम्मान को बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। इसके अलावा, बैंक के प्रबंध निदेशक के. मुरुगन ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए बैंक प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बैंक इन द्वीपों में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत हर साल ऐसी गतिविधि आयोजित करता है, लेकिन मध्य अंडमान के रंगत में यह पहला कार्यक्रम है। कार्यक्रम में रंगत शाखा के शाखा प्रबंधक रत्नम थंगादुरई भी उपस्थित थे। इस अवसर पर दिव्यांगजनों सहित अन्य कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में दो सौ पचास से अधिक दिव्यांगजनों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

विश्व एड्स दिवस के एक भाग के रूप में, जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय की एन एस एस इकाई के सहयोग से रेड रिबन क्लब द्वारा एचआईवी एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए रैली निकाली गई। रैली को मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एच के शर्मा ने झंडी दिखाकर रवाना किया, जो डॉ. श्यामा प्रसाद पार्क से शुरू होकर घंटाघर, मॉडल स्कूल से होते हुए वापस डॉ. श्यामा प्रसाद पार्क पार्किंग स्थल पर समाप्त हुई। इस

अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एन. बालाकृष्णन और आई ई सी के सहायक निदेशक कौशिक कुमार विशिष्ट अतिथि थे। डॉ. एच.के. शर्मा ने अपने संबोधन में छात्रों को अच्छी आदतों और विषयों को सीखने के साथ–साथ जीवन के गुणों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा, ताकि वे आगे चलकर एक अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बन सके। उन्होंने आम लोगों में जागरूकता लाने के लिए इस तरह के आयोजनों के लिए एन एस एस और रेड रिबन क्लब की सराहना की। इससे पहले रेड रिबन क्लब, जे एन आर एम के नोडल अधिकारी डॉ. कंडीमुथु ने इस रैली के महत्व और इस वर्ष के आयोजनों की थीम "सही रास्ते पर चलें" और क्लब की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सहायक निदेशक ने एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। रैली में एन एस एस और रेड रिबन क्लब के लगभग एक सौ बीस छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों और प्रवक्ताओं ने भाग लिया।

<><><><><><><>

समाज कल्याण विभाग की ओर से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए राज्य केन्द्र के माध्यम से लैंगिक समानता, संवेदनशीलता और कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सोलह दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य और महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा के उन्मूलन के लिए जागरूकता बढ़ाना है। हाल ही में जंगलीघाट में आयोजित कार्यक्रम में घरेलु हिंसा अधिनियम, कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न, रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम पर महिलाओं को जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में नौवीं और दसवीं के छात्राओं तथा शिक्षकों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

खेल एवं युवा मामले विभाग की ओर से नई दिल्ली में अंडमान निकोबार प्रशासन से जुड़े सिविल सेवा कर्मचारियों के लिए अखिल भारतीय सिविल सेवा टूर्नामेंट दो हजार चौबीस–पच्चीस के लिए विभिन्न खेलों में चयन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। नेताजी स्टेडियन खेल परिसर में सुबह नौ बजे पुरूष क्रिकेट टीम और बास्केट बॉल तथा पुरूषों और महिलाओं के वास्ते बैडमिन्टन के लिए तेरह तारीख को शाम तीन बजे से चयन ट्रायल रखा गया है। चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए उम्मीदवार को विभागीय पहचान पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

<><><><><><><>

कैम्पबेल बे पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के एक मामले को सुलझाने में सफलता हासिल की। हाल ही में एक शिकायतकर्ता द्वारा अपने पिता के बैंक खाते से कुल छः लाख सत्तावन हजार की राशि की अनधिकृत कटौती की शिकायत दर्ज की गई। जांच के दौरान, पाया गया कि जालसाज के पास खाते से जुड़ी तीस लाख की फिक्स्ड डिपोजिट तक संभावित पहुंच थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खाता, एफडी और डेबिट कार्ड को फ्रीज कर दिया, जिससे आगे के नुकसान को रोका जा सके। एनसीआरपी प्लेटफॉर्म पर शिकायत दर्ज की गई और साइबर अपराध पुलिस स्टेशन, श्री विजयपुरम की मदद से कटौती की गई राशि की वसूली के लिए जांच शुरू की गई। जांच में पता चला कि धोखाधड़ी की गई धनराशि सार्वजनिक और निजी बैंकों के कई खातों में स्थानांतरित की गई थी। कैम्पबेल बे थाना प्रभारी वी. के मौर्या के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई शुरू की और ठगी गई राशि की वसूली सुनिश्चित की। यह पूरी कार्रवाई निकोबार जिला पुलिस अधीक्षक सन्नी गुप्ता की निगरानी में की गई। आम जनता से भी कहा गया है कि वे अज्ञात संदेशों या व्यक्तिगत वित्तीय जानकारी मांगने वाले कॉल से सावधानी बरतें और साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं की जल्द से जल्द रिपोर्ट करें।

<><><><><><><>